दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 28.03.2025

प्रकाशनार्थ

समता मूलक शिक्षा भारत की प्राचीन परंपरा – प्रोव ओम प्रकाश सिंह'

दिनांक 28.03.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है, और इसका स्वरूप समय के साथ बदलता रहता है। यदि हम प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की बात करें, तो यह मूल रूप से समता मूलक थी, यानी इसमें समानता, नैतिकता, और सार्वभौमिक ज्ञान को प्राथमिकता दी जाती थी। इसके विपरीत, आज की आधुनिक शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से रोजगार पर केंद्रित हो गई है, जहाँ ज्ञान को एक व्यवसायिक साधन के रूप में देखा जाता है। आज यह विदाई समारोह का कार्यक्रम है। विदाई का अर्थ सिर्फ जुदाई नहीं होता, बल्कि यह एक नए सफर की शुरुआत होती है। यह वह समय है जब विद्यार्थी महाविद्यालय की सीमाओं से निकलकर एक नई दुनिया में कदम रखते हैं, जहाँ उन्हें अपने ज्ञान, संस्कार और मूल्यवान सीख का सही उपयोग करना होता है। आप विद्यार्थी राष्ट्र के भावी निर्माता है एवं आपको यहां से प्राप्त शिक्षा को सिर्फ स्वयं तक न रखकर पूरे समाज में फैलाना है। विद्यार्थी अपने आगे के जीवन में अर्जुन की भांति अपना लक्ष्य निर्धारित कर उस पर ध्यान केंद्रित करें और लक्ष्य प्राप्ति के लिए तब तक निरंतर प्रयत्नशील रहे जब तक उन्हें अपना निर्धारित लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो. अर्चना सिंह ने आज द्रोपदी शस्त्र उठा लो कविता के माध्यम से छात्राओं को जागरुक करते हुए कहा कि 'शस्त्र उठाने' का अर्थ यहाँ केवल हथियार उठाने से नहीं, बल्कि अपने हक और सम्मान के लिए जागरूक होने से है। आज की महिलाएँ शिक्षा, रोजगार, राजनीति और हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उन्हें अब किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं, बल्कि वे अपने अधिकारों की रक्षा स्वयं कर सकती हैं। आप सभी विद्यार्थी यहां से प्राप्त शिक्षा के आधार पर अपने जीवन में निरंतर प्रगति करें। शिक्षा राष्ट्रीय विकास का एक सशक्त साधन है और यह साधन आप लोगों को प्राप्त हुआ है। अतः इसके आधार पर आप राष्ट्र की प्रगति में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें।

इस अवसर पर विभाग की प्रभारी डॉ निधि राय ने कहा कि आज इस अवसर पर मैं आप सभी को दिल से शुभकामनाएँ देना चाहती हूँ। सफलता आपके कदम चूमे, आप जीवन में ऊँचाइयों को प्राप्त करें, और अपने सपनों को साकार करें। जीवन में चाहे जितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, कभी हार मत मानिए। खुद पर विश्वास रखिए और आगे बढ़ते रहिए।

इस अवसर पर डॉ सरिता सिंह, डॉ समृद्धि सिंह, डॉ अनुपमा मिश्रा, डॉ कामिनी सिंह, डॉ सुनीता श्रीवास्तव, डॉ कुलदीप पाण्डेय, डॉ संजीव सिंह, डॉ चंडी प्रसाद पांडेय, डॉ संजय त्रिपाठी, डॉ अभय मालवीय, डॉ सुभाष गुप्ता समेत महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क